Topic Lecture-(15.)

(1) Jainism:

Dr. Surita Kumari
Subject:→ Philosophy
B.A part - I
Paper - (5.)

Ans:-) जैन धर्म विश्व के सबसे प्राचीन दर्शन या धर्मों में से एक है। यह भारत की प्रथम (Jainism, traditionally known as Jain Dharma, is an ancient Indian religion. Followers of Jainism are called "Jains", Word derived from the Sanskrit word Jaina referring to the path of victory in) श्रमण परम्परा से निकला तथा इसके प्रवर्तक हैं 24 तीर्थंकर, जिनमें अंतिम व प्रमुख महावीर स्वामी हैं। जैन धर्म की अत्यंत प्राचीनता करने वाले अनेक उल्लेख साहित्य और विशेषकर पौराणिक साहित्यों में प्रचुर मात्रा में हैं।

जैन धर्म विश्व के सबसे

P.T.O

प्राचीन दर्शन या धर्मों में से एक है।
यह भारत की श्रमण
परम्परा से निकला तथा इसके प्रवर्तक है
24 जैन धर्म भारत की श्रमण परम्परा से
निकला प्राचीन धर्म और दर्शन है। जैन
अर्थात् कर्मों का नाश करनेवाले 'जिन
भगवान के अनुयायी। सिन्धु घाटी से
मिले जैन अवशेष जैन धर्म को सबसे
प्राचीन धर्म का दर्जा देते हैं।
सम्मेदशिखर, राजगिर, पावापुरी,
गिरनार, शत्रुंजय श्रवणबेलगोला आदि

जैन के प्रसिद्ध तीर्थ हैं।
पर्युषण या दशलाक्षणी, दिवाली और
रक्षाबंधन इनके मुख्य त्योहार हैं।
अहमदाबाद महाराष्ट्र, उत्तर
प्रदेश और बंगाल आदि के अनेक जैन
आजकल भारत के अग्रगण्य उद्योगपति
और व्यापारियों में गिने जाते हैं।
जैन के अनुसार धर्म
वस्तु का स्वभाव समझता है। इसलिए
जड़ से स्थिर है।
जैन धर्म "बौद्ध धर्म"
से काफी पुराना है। जैन साहित्य बृहत विशाल

P.T.O.

अधिकांश भाषाओं में यह साहित्य ही है। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं में यह साहित्य लिखा गया है।

'जैन धर्म का अर्थ है →'

जिन का प्रवर्तित धर्म, जैन धर्म भारत का एक धर्म सम्प्रदाय है, जिसमें अहिंसा को परम धर्म माना जाता है और ईश्वर या सृष्टिकर्ता नहीं माना जाता है। उनके अनुसार यह धर्म बौद्ध धर्म है। के पीछे उसी के कुछ तत्वों को लेकर और उनमें कुछ ब्राह्मण धर्म की शैली मिलाकर खड़ा किया गया है।

जैन धर्म उत्पत्ति कैसे हुई ?

जैन परम्परा ऋषभदेव से जैन धर्म की उत्पत्ति होना बताती है, जो सदियों पहले हो चुके हैं। जैन धर्म महावीर और पर्व पार्श्व,

जैन धर्म का इतिहास

जैन धर्म आज समाज में अनेक धर्म धार्मिक सम्प्रदाय जैन धर्म की बात करते हैं। सब धर्म में आत्म दिखाई देता है।

End